ChalisaPDF

गणेश जी की आरती

– गणेश स्तुति –

गजाननं भूत गणादि सेवितं,
कपित्थ जम्बू फल चारू भक्षणम् ।
उमासुतं शोक विनाशकारकम्,
नमामि विघ्नेश्वर पाद पंकजम् ॥

– श्री गणेशजी की आरती –

ChalisaPDF.in

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ।।

एकदन्त दयावन्त चारभुजाधारी
माथे पर तिलक सोहे मूसे की सवारी ।।

पान चढ़े फूल चढ़े और चढ़े मेवा ।
लड्डुअन का भोग लगे सन्त करें सेवा ।।

अन्धे को आँख देत, कोढ़िन को काया ।
बाँझ को पुत्र देत, निर्धन को माया ।।

'सूर' श्याम शरण आए सफल कीजे सेवा
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ।।

दीनन की लाज रखो शम्भू शुतवारी ।

कामना को पूर्ण करो जग बलिहारी ।।

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।

माता जा की पार्वती पिता महादेवा।।

– कपूर जलाएं और प्रार्थना करें –

कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम्।

सदा बसन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानीसहितं नमामि।।

ChalisaPDF.in